

(1)

(2)

(3)

47. ग्रीष्म लालने द अर्जुन

21/5/04

48. " बुद्धिमत्ता विनाशक - ८०३२५ - " Supan Chauhan 28/11/16

51. " उत्तराखण्ड "

गोपी

52. " ओडिशा लालने द "

पंचमी

53. " झारखण्ड लालने द "

Abhishek

54. " फिल्ड सेवा "

जया

55. " ग्रीष्म अवधि "

दीपा

56. " बुद्धिमत्ता विनाशक - लालने द विनाशक "

57. " लालने द चहार. लालने द विनाशक "

निष्ठा

58. समिक्षा

क्र. प्रश्नावली

प्रश्नावली1. ग्रीष्म लालने द के विनाशक वार्षि के में
जहाँ वराहाल के समय के बाटी भर
जाता है तब इसमें एवं लालने द विनाशक
एवं विनाशक ।2. लालने द वालों के कामों का विवरण
उपर दी गई विवरणों के बाहर एवं
लालने द एवं लालने द विनाशक वार्षि के
इनामों के बारे में विवरण दिये गए हैं।

① प्रश्नावली सर्वसम्पत्ति से लौटकर जिन जगहों
में नाभापिरिक्त की आवश्यकता है उसको लालने द विनाशक
के पार्थिवों से सेवा कर नाभा का प्राप्तिकरण
तैयार कर शासन को पेजी जाने हेतु
प्रश्नावली की लौटकर प्रश्नावली का जाती है।
इस काम हेतु एक पाठ का निर्धारित
समयावधि दी जाती है। तदनुसार प्रश्नावली
शासन को सेजें। नगर पालिका विनाशक
अधिकारी नियम १९५६ का धारा ४८ के
अंतर्गत इस काम हेतु निभाउमाल
समिक्षा ग्रन्थित की जाती है।

3. निर्वाचनीक दिनम से शामिल 12
साल के ०८ वर्षों से उपर्युक्त वर्ग
में निर्वाचन वाले विधायिका ०८ वर्षों
से निर्वाचन वाले विधायिका ०८ वर्षों
- जो निम्नलिखित हैं -
- (१) श्री दिनेश शर्मा - MIC लद्दाख - कोरु निर्वाचन
से निर्वाचन वाले विधायिका ०८ वर्षों
- (२) श्री अंजलि देवगंगन - पार्षदवाड़ीन. (३)
- (३) कुमार मजदूर बानो - पार्षदवाड़ीन. (४)
- (४) श्री संदीप क्षत्रीय - पार्षदवाड़ीन. (५)
- (५) श्री रत्नेश राम जामिसराज - पार्षदवाड़ीन. (६)
- (६) कुमार टोटोयो - उपचामियता विधायिका - निर्वाचन वाले विधायिका ०८ वर्षों
4. निर्वाचनीक विधायिका ३१ अप्रृ० के ४८ वर्षों
में ०८ वर्षों से निर्वाचन वाले विधायिका ०८ वर्षों
के उपर्युक्त विधायिका ०८ वर्षों
- (७) प्रत्यावर एवं सम्मिलित से स्वीकृत
साथ लोकावव विधायिका ०८ वर्षों से कोतरा
रोड वाड़ी पास मार्ग पर स्थित हो
लोकावव वाड़ी के अविक्षण का इहाने
का निर्धारण वाड़ी के द्वारा लोकावव
से दौड़ीकरण सरोकर घरोहर योजनान्वयन
संबंधित वाड़ी के पार्षदवाड़ीन से संपर्क नहीं
प्राप्त किया जाता है। योजनान्वयन के शासन की
पर्यायी जाने हेतु उशालवीय स्वीकृतिप्रदान
की जाती है। इसका अर्थ हेतु इसाट
का निर्धारित समयावधि दो जाने हैं।
तदनुसार फ्रत्यावव शहर से को-मिंगे।
नगर पालिका नियमानुसार अधिनियम १९५८
की पारा ५४ के अन्तर्गत इस काय हेतु
निर्वाचन समिति गठित की जाती है।
जो नियमानुसार है।
5. जिनका वार्षिक धन दो वर्षों से निर्वाचन
विधायिका ०८ वर्षों से निर्वाचन विधायिका
विधायिका ०८ वर्षों से निर्वाचन विधायिका
- (१) श्री सीदू राव - पार्षदवाड़ीन. ३७
- (२) श्री पती कोविता पिण्डा - पार्षदवाड़ीन. (३)
- (३) श्री कमल पटेल - पार्षदवाड़ीन. (४)
- (४) श्री पती जान डी काटजू - पार्षदवाड़ीन. (५)
- (५) श्री पती किंचित उटरे - पार्षदवाड़ीन. (६)
- (६) श्री पती लाला डेहवाट - पार्षदवाड़ीन. (७)
- (७) श्री रमेश एन भग्दरिया - प्रसादसरोड़ीपेठा

9. यारव समर्पण करते हुए समिति
द्वारा प्राप्तिहार पड़ी प्रत्येक वर्ष कानून
को मनुष्यान् जीवी देवे के संघर्षों
विषय।
10. ए.पी.सी.एस.टी. के दृष्टिकोण से अपने
प्रबलत विभाग में आपने को जापन
कानून 2011 तिथि 18.1.2012 के
पश्चात में प्राप्तिहार प्रत्येक वर्ष की
भूमि वह लाभिति उपलब्ध के लिये
कानूनिक खुमि के रास्ते उपलब्ध
में प्रतिक्रिया देता है। इसका लाभ
कानून द्वारा नाट वी 12 अंतर
लाभिति की 8.27912 वर्षिक
खुमि का लाभिति करते जाते वर्षिक।
11. जब वाक्यान् शब्दों के बाये होते
के प्राप्तिहार शब्दों पर रखें गए
इन्हें वाक्यान् के बाये पर होने वाले
हो जाएं गए करे करे हो जाएं
2007-2008-2009-2010-2011-2012,
12. जब वाक्यान् शब्दों के बाये होते
प्राप्तिहार के बाये प्राप्तिहारों के
बाये लाभिति लाभिति होती है।
13. अपरिहार, अपरिहार विभाग के बाये
लाभिति होती है।
- ③ प्रस्ताव सर्व सम्मिति से रवीकृत।
नगरपालिका विभाग से शासक 1956
के 48 वाड़ों में शासन घाटना
होती है। युक्तिवाम योजनान्वयन संचालित
प्रबलते से संयुक्त हो प्राप्तिहार तैयार
कर शासन को प्रेजी जाने होती है।
प्रशासनीय द्वारा होने प्रदान की जाती है।
इस कार्य होती है। एवं माट का नियोग
सम्भावित हो जाती है। तदुलार
प्रस्ताव शासन को प्रेजी। लगत
पालिका विभाग जनियोग 1956 को
धारा 48 के अंतर्गत इस कार्य होती
नियोगानुसार समिति का गठित को जाती
है। जो नियोगानुसार होती है।
① प्रदोष विजयचौहारों परिवर्तने
② मी दुरुचरण महृ-प्राप्तिहारों ने ३३
③ सीडीडी छाल सहृदय-प्राप्तिहारों ५१
④ सी दीपक रमेश - प्राप्तिहारों ५२
⑤ मुश्ति प्रसाद उपाधिक - प्राप्तिहारों ५३
⑥ कुमार गिरा पटेल - उपाधिकरण
विभाग राजा।
- ④ प्रस्ताव सर्व सम्मिति से रवीकृत।
शासन के नियोग एवं नियमानुसार
नगरपालिका विभाग शायगढ़ में 48 वाड़ों
को जोन से विभाजित हो एवं प्रस्ताव
पुनः प्रस्तुत करें।

(20)

14. श्री विक्रम सिंह का देवता नं. 13

26. 3. 2010 के दिन 05 बजे

नवरात्रि पालक संसाधन राजस्थान

दृश्य संसाधन एवं सामग्री का

आवश्यकता विनियोग का अनुदान

14. रात्रि भूमिका के अनुदान

प्राप्ति दिवस के दिन अनुदान

14. दिवस 14 दिन हुआ दुर्लभ

14. 26. 3. 2010 का 187 अनुदान

23. 3. 2010 का 164 अनुदान

14. 26. 3. 2010 का 164 अनुदान

22. 3. 2010 का 164 अनुदान

15. माह दृष्टि नं. 03 दिन 9.12.15

15. दिवस 26. 3. 2010 का

नवरात्रि दिवस का अनुदान

15. दिवस 26. 3. 2010 का अनुदान

(1)

(2)

(3)

17 गोप्य पुरातिन वैदेशीय वाराणसी
 समिटे बाला से डक्कन वज्र दण्ड
 नारी, कुरुपाल एवं तिवारी निमित्त
 देख प्रवास राज्यों द २१५७. ४० वार्ष
(इन्हीं के द्वारा उत्तर वार्ष वार्षिकी)
वार्ष में लगभग ३००० ए. डि. के
विषये गोप्य विषये इन्होंने लिखी हैं।

18 जगत्काल का विविध विविध की
 गई थी विविध कालों की विविध
 विविध विविध विविध कालों
के द्वारा विविध विविध कालों का विविध
की।

19 विविध सारांशों के २७७ विविध विविध
 विषये जाने संकलित विविध विविध
 विविध विविध विविध विविध।

20 नगर में वार्ड की सीमाओं में विविध
 क्षेत्र देखा है, वार्ड का नवां एवं
 नाम की विविध विविध के देखि
 में विविध विविध विविध विविध के नवां
 विविध जाते हैं जिनमें विविध विविध
 विविध विविध हैं, वार्ड का विविध विविध
देखि देखि विविध।

21 यह विविध विविध विविध विविध
 को सेवा कुल विविध विविध के अन्तर्गत है।
विविध विविध विविध विविध।

22 राज्य काम्यालय में यह विविध विविध
 विविध विविध विविध।

(21)

23. राजनीति के बारे में पढ़ते
रहने के लिए ।

24. राजनीति के देशजन की जुगाड़
करने के लिए ।

25. भाजपा के द्वितीय नियमों
के अनुच्छेदों के अनुच्छेदों
के अनुच्छेदों के अनुच्छेदों
के अनुच्छेदों के अनुच्छेदों
के सभी के लिए ।

26. गोस्माई नियमों के सभी के
लिए ।

27. राजा के विवाह कर्त्तव्य के प्राप्ति
की जोखियाँ पर उन लागतों वाले
नियमों पर उपर्याके के लागतों
के लागतों के लिए ।

28. कर्तव्यों के लिए जो शास्त्र
के लिए जो शास्त्र के लिए
जो शास्त्र के लिए ।

29. ज्ञान के लिए जो शास्त्र
के लिए जो शास्त्र के लिए
जो शास्त्र के लिए जो शास्त्र
के लिए ।